

प्राण प्यारे राज दुलारे झूले में झूलो।
साईं सुकुमारे जीय जियारे झूले में झूलो॥

शोभा आगर झूलो हर्ष हिण्डोले मांही
झूलो बनियो है तेरो कदम्ब कुंजनि छाहीं
साहिब हमारे जीवन आधारे झूले में झूलो॥

गोद में लेके झूलो युगल विहारी
फली फूली रहे तेरी सदां फुलवाड़ी
करुणा आगारे भगति भण्डारे झूले में झूलो॥

प्रेम प्याला पी पी नैन खुमारी छाई
सिया रघुवीर को है भक्ति तुम्हारी भाई
दासनि सहारे नयननि तारे झूले में झूलो॥

सुधा सरस बोलो राम कथा प्यारी
वचन विलास सुनि मोहे सब नर नारी
सुखदेवी ब़ारे आंगन उज्यारे झूले में झूलो॥